भारत सरकार
अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1494
उत्तर देने की तारीख : 10.02.2022

उस्ताद योजना के अंतर्गत हुनर हाट

1494. श्री एन. रेड्डप्प:
श्री बेल्लाना चन्द्रशेखर:
डॉ. संजीव कुमार शिंगरी:
डॉ. बीसेट्टी वेंकट सत्यवती:
श्री एम.वी.वी. सत्यनारायणः
श्रीमती चिंता अनुराधाः
श्री कुरुवा गोरांतला माधव:

क्या **अल्पसंख्यक कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार के पास भारत का हस्तशिल्प क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मकता का अनुमान है;

(ख) उस्ताद योजना के तहत शिल्प क्षेत्र को बढ़ावा देने वाली हुनर हाट के लिए स्वीकृत और उपयोग की गई राशि का ब्यौरा क्या है; और

(ग) देश भर में हुनर हब के निर्माण में कितनी प्रगति हुई है ?

उत्तर
अल्पसंख्यक कार्य मंत्री
(श्री मुख्तार अब्बास नकवी)

(क) अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने देश में हस्तशिल्प निर्यातकों के शीर्ष निकाय के साथ हुनर हाट के हिस्से के रूप में करार किया है ताकि प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण, उत्पाद और डिजाइन विकास, ई-कॉमर्स, विपणन और निर्यात संवर्धन के माध्यम से कारीगरों के निर्यात अभिविन्यास को मजबूत करके व्यापक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कारीगरों और शिल्पकारों के उत्पादों/हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा दिया जा सके। इस मंत्रालय ने वैश्विक स्तर पर हस्तशिल्प क्षेत्र की भारत की प्रतिस्पर्धात्मकता पर कोई अध्ययन नहीं किया है, क्योंकि यह क्षेत्र असंगठित प्रकृति का है।

(ख) हुनर हाट एक प्रभावी मंच है जिसमें देश भर के कारीगरों/शिल्पकारों और पाक विशेषज्ञों को अपने हस्तशिल्प और स्वदेशी उत्पादों को प्रदर्शित करने और बेचने का अवसर दिया जाता है। हुनर हाट लुप्त हो रही पारंपरिक कलाओं, शिल्पों और स्वदेशी उत्पादों के संवर्धन और संरक्षण में सहायता कर रही है, यह ''स्वदेशी से स्वावलंबन'' और 'वोकल फॉर लोकल' की प्रतिज्ञा के लिए प्रभावी भूमिका निभाते हुए आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्यों में योगदान दे रही है। हुनर हाट ने कारीगरों, शिल्पकारों और संबद्ध व्यक्तियों के लिए रोजगार और रोजगार के अवसर पैदा किए हैं और उनके बाजार संबंधों को और मजबूत किया है।

नवंबर, 2016 से नई दिल्ली, मुंबई, प्रयागराज, लखनऊ, जयपुर, अहमदाबाद, हैदराबाद, पुडुचेरी, भोपाल, इंदौर, रांची, मैसूर, पणजी, देहरादून, वृंदावन, रामपुर, सूरत आदि में कुल 35 हुनर हाटों का आयोजन किया गया है और हुनर हाट के लिए 95.41 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है जिसमें कारीगरों के लिए यात्रा एवं दैनिक भत्ता, स्टाल की लागत, स्थान पर प्रचार-प्रसार, थीम आधारित वातावरण तैयार करना, स्थान का किराया इत्यादि शामिल हैं। मंत्रालय द्वारा आयोजित विभिन्न हुनर हाटों के माध्यम से 7 लाख से अधिक कारीगर, शिल्पकार और उनसे जुड़े लोग लाभान्वित हुए हैं।

(ग) अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम (PMJVK) योजना के अंतर्गत दिनांक 31.01.2022 तक कुल 3264.35 लाख रुपये की लागत से हुनर हब की कुल 12 इकाइयां अनुमोदित की गई हैं।

******